**HINDUSTAN (19.08.2016)**

फरीदाबाद LIVE युवा

# वाईएमसीए में पांच हजार लोगों को कंप्यूटर सिखाया जाएगा

फरीदाबाद | **वरिष्ठ संवाददाता**

अगर आप कंप्यूटर के बारे में कुछ नहीं जानते तो फिर देर मत किजिए। प्रदेश का प्रतिष्ठित वाईएमसीए प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी विश्वविद्यालय आपको कंप्यूटर में विशेषज्ञ बना देगा। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के राष्ट्रीय कंप्यूटर साक्षरता अभियान के तहत वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने मौजूदा सत्र में करीब पांच हजार लोगों को कंप्यूटर सिखाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए आपको विश्वविद्यालय में पंजीकरण कराना होगा।

राष्ट्रीय कंप्यूटर साक्षरता मिशन के तहत विश्वविद्यालय में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया है। इसमें कम से कम सातवीं कक्षा पास 14 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु के व्यक्ति को डिजिटल साक्षर किया जाएगा। जिले के नागरिक कंप्यूटर सीख सकते हैं। एक सितंबर से कक्षाएं शुरू होंगी। इसके लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं।

**सरकार की योजना :** सरकार की महत्वाकांक्षी योजना डिजिटल इंडिया का उद्देश्य हर नागरिक को डिजिटल क्रांति से जोड़ना एवं डिजिटल साक्षरता से अवगत कराना है। डिजिटल साक्षर होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ेगा। सरकार ने प्रथम चरण में प्रदेश के हर घर से कम से कम एक व्यक्ति को ई-साक्षर करने का लक्ष्य तय किया।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में लगी छात्रों की भीड़। (फाइल फोटो)

> डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से आम व्यक्ति को जोड़ना इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य है। आम व्यक्ति ई-साक्षर होगा तो उसे योजनाओं का अधिक लाभ मिल सकेगा। मौजूदा सत्र में करीब पांच हजार लोगों को ई-साक्षर करने का लक्ष्य तय किया है।
>
> -डॉ. दिनेश कुमार कुलपति, प्रोफेसर वाईएमसीए

## निशुल्क प्रशिक्षण

कंप्यूटर का प्रशिक्षण पूरी तरह से निशुल्क है। लेकिन विश्वविद्यालय के सामुदायिक केंद्र में इसके लिए पांच सौ रुपये देकर पंजीकरण किया जाएगा। ये पांच सौ रुपये पाठ्यक्रम पूरा होने पर वापस कर दिए जाएंगे। पंजीकरण के समय संबंधित सभी जानकारी मिल सकेंगी। कब और कहां कितने बजे कक्षा लगेगी और कौन कंप्यूटर सिखाएगा।

## आम नागरिक को लाभ

- घर बैठे खरीददारी कर सकते हैं
- बिजली, पानी के बिलों का भुगतान भी घर बैठ कर सकते हैं
- गैस बुक करने में होगी आसानी
- रेलवे और हवाई जहाज टिकट बुक करने में आसानी
- कोई भी सरकारी शिकायत करना होगा आसान
- ई-दिशा केंद्र से कार्य करवाने में मिलेगी मदद
- घर बैठे बैंकिंग सुविधा का उठा सकते हैं लाभ
- पंचायतों का काम भी कंप्यूटर पर होगा
- किसान सीधे कृषि उत्पादन, मृदा संबंधी विवरण और बिक्री मूल्य का अन्य शहरों से तुलना कर सकते हैं
- किसान देश भर की मंडियों से जुड़ सकते हैं।